CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

वर्ष 09 | अंक 26 | बुधवार | 23 जून 2021 ₹1

संक्षेपण/ सारलेखन करना सीखें

UPPCS परीक्षा के लिए खास उपयोगी

PAGE 03

सक्सेस सीक्रेट

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए आपको कुछ अहम मुद्दों पर विचार करना आना चाहिए

PAGE 10

एजुकेशन

पर्यटन प्रबंधन एक ऐसा क्षेत्र है जहां आपके लिए रोजगार और अवसरों की कोई कमी नहीं है

VISIT…

निर्णय के लिए अपनी शैली करें विकसित

एक उत्कृष्ट बात जो शेर से सीखी जा सकती है, वह यह है कि व्यक्ति जो करना चाहता है, उसे वह पूरे दिल और जोरदार प्रयास के साथ करे।
- चाणक्य

हम रोजमर्रा की जिंदगी में कोई न कोई निर्णय लेते ही रहते हैं। एक प्रभावी निर्णय के लिए यह जरूरी है कि आप किसी भी तरह के कदम बढ़ाने के लिए पूरी तरह आश्वस्त होने चाहिए। तभी वह निर्णय ठीक प्रकार से कार्यान्वित हो सकेगा। लेकिन यह भी देखा गया है कि एक प्रभावी निर्णय के लिए आपके समक्ष कई प्रकार की समस्याएं आ सकती हैं। इन समस्याओं में कम जानकारी का होना या फिर बहुत ज्यादा सूचनाएं होना, ज्यादा लोगों से अलग-अलग सलाह प्राप्त कर लेना, हितों का टकराव हो जाना, भावनात्मक रूप से ज्यादा संबद्ध होना या फिर बिल्कुल भी भावनात्मक रूप से न जुड़ना आदि शामिल हैं। इसके अलावा सबसे जरूरी चीज जो निर्णय लेने में काफी महत्वपूर्ण भूमिका रखती है वह है-स्वयं की इच्छा शक्ति। अगर किसी काम को करने में आप अपनी इच्छा शक्ति ही नहीं दिखाएंगे, तो वह काम आगे हो ही नहीं पाएगा। एक अनुमान के अनुसार ज्यादातर मनुष्य एक औसत दिन में हजारों निर्णय लेते हैं, जिनमें से बहुत सारे निर्णय अचेतन रूप से लिए गए होते हैं। आपकी व्यक्तिगत और प्रोफेशनल सफलता के लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप एक प्रभावी निर्णय लेने वाले व्यक्ति बनें। इसके लिए आपको निर्णय लेने की स्थापित प्रक्रिया का पालन करना और निर्णय लेने की अपनी शैली को विभिन्न स्थितियों के अनुरूप ढाल लेना जैसे महत्वपूर्ण कौशल रखना काफी अहम हो जाता है। आपको निर्णय लेने से संबंधित आधारभूत बातों से परिचित होना भी आवश्यक है। इसके अलावा आपको एक प्रभावशाली निर्णयकर्ता बनाने में मदद देने वाली टेक्नीक्स का भी ज्ञान होना चाहिए। इस प्रकार से जब आप गंभीर फैसले लेने लगेंगे, तो वहीं से आप में आत्मविश्वास आना भी शुरू हो जाएगा।

अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

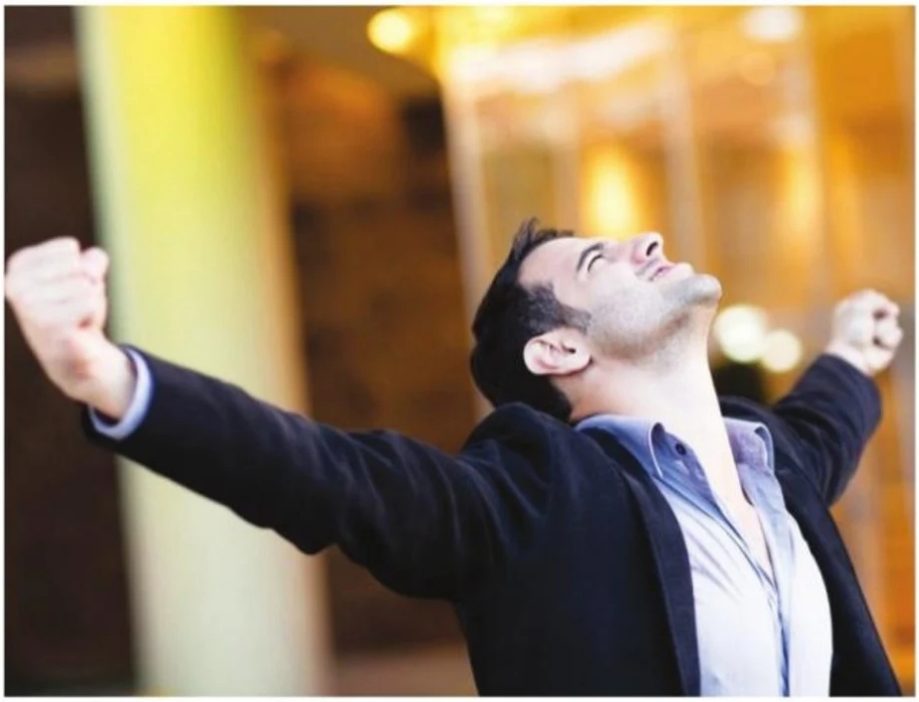

बर्षा छाबड़िया
रेडियो प्रोफेशनल
भारत सरकार द्वारा सम्मानित

जीवन में सफलता का फॉर्मूला

ध्यान रहे, जो फॉर्मूला किसी और के साथ हिट और फिट हो गया, वह आपके साथ भी होगा, यह हमेशा सच नहीं होता....

जीवन में सफलता का कोई एक फार्मूला निश्चित नहीं किया जा सकता। सफलता सूत्र के कई मानक हैं, व्यक्ति विशेष, आपकी क्षमताएं, आपके अपने लक्ष्य या फिर,समय अनुसार, पदोन्नति आदि कई कारकों द्वारा सफलता के मानक तय किये जा सकते हैं। जो फॉर्मूला किसी और के साथ हिट और फिट हो गया, वह आपके साथ भी होगा, यह हमेशा सच नहीं होता।

व्यक्तिगत माहौल

हर व्यक्ति की विशेषता अलग होती है, हर व्यक्ति की कल्पना शक्ति अलग है और इसलिए सफलता भी अलग तरह से मिलती है। किसी छात्र के लिए 70 प्रतिशत ही सफलता है तो किसी के लिए 90 प्रतिशत। किसी की प्रखरता विज्ञान के क्षेत्र में है, तो किसी की वाणिज्य में। अतएव सफलता के मापदंड भी सभी के लिए अलग-अलग होंगे।

तुलनात्मक न बनें

कभी अपने रिश्तेदारों, या सहपाठियों के साथ अपनी तुलना न करें। यह आपके लिए विपरीत असर भी कर सकता है और मनोबल बढ़ने के बजाय घट सकता है। जो बड़े भाई के लिए सफलता बनी वह जरूरी नहीं है कि आपके लिए भी हो। इसमें अभिभावकों की भी जिम्मेदारी है कि अपने सभी बच्चों को सफलता के लिए एक प्रकार से न नापें।

सफलता हमेशा आर्थिक नहीं

आर्थिक रूप से सशक्त होना ही सफलता नहीं। यदि आप वह काम नहीं कर रहे जिससे आपको खुशी मिले या जिससे आपकी ज्ञान वृद्धि न हो तो वास्तव में सफलता नहीं मानी जाएगी,क्योंकि यदि आप खुश नहीं तो फिर सफल कैसे? सफलता मानसिक रूप से भी होनी चाहिए।

निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति

जो सफलता का स्वप्न देखते हैं, वे अपने लक्ष्य निर्धारित करते हैं। कदम दर कदम आगे बढ़ते रहते हैं और एक कदम के बाद अगले की पूर्णतः तैयारी करते हैं। क्रमशः आगे बढ़ते रहना ही असली सफलता है क्योंकि इस प्रकार आप अपने असली गंतव्य के करीब पहुंच रहे हैं।

समय अनुरूप लक्ष्य का बदलना

समय के बदलने पर भी लक्ष्य बदलने चाहिए या यूं कह लीजिये की छोटे-छोटे लक्ष्य बनायें और आगे बढ़ें। अपने किसी प्रयोग यानी एक्सपेरिमेंट की सफलता भी असली सफलता हो सकती है तो किसी के लिए नौकरी का लग जाना तो किसी का स्टार्ट अप के आईडिया का सफल होना, सफलता सभी के लिए समय और लक्ष्य अनुरूप अलग-अलग हो सकते हैं।

नवीनता भी सफलता

व्यक्ति केवल उम्र से नहीं अनुभव से भी आगे बढ़ता है, अनुभव आपको आगे बढ़ने के लिए जरूरी है। अनुभव भी सफलता है। अतएव अपना प्रयास करते रहें, मेहनत करने से पीछे न हटें ,और सबसे जरूरी किसी एक फार्मूला को ही सफलता न समझें। सफलता के मानक बिलकुल एक ही जैसे सबके लिए कभी भी नहीं हो सकते। न ही सफलता का कोई निश्चित गणित होता है जिसका हर कोई पालन करे।

UPPCS परीक्षा के लिए उपयोगी

संक्षेपण/सारलेखन करना सीखें

यह 'विशेष आलेख' अनेक प्रकार की प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं में हिन्दी-भाषा/सामान्य हिन्दी विषय के प्रश्नपत्र में 'संक्षेपण' अथवा 'सारलेखन' पर किये जानेवाले प्रश्नों के उत्तर को अच्छी तरह से समझने में हमारे प्रतियोगी विद्यार्थियों के लिए अति सहायक सिद्ध होगा...

आचार्य
पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविद् और समीक्षक

संक्षेप में लिखे जाने की प्रक्रिया को 'संक्षेपण' कहते हैं। संक्षेपण एक कला है। संक्षेपण-लेखक को इस कला में दक्षता प्राप्त करनी चाहिए। किसी विस्तृत विवरण, सविस्तार व्याख्या, वक्तव्य, पत्रव्यवहार अथवा लेखों के तत्त्वों और निर्देशों के ऐसे संयोजन को संक्षेपण कहते हैं, जिसमें अप्रासंगिक, असम्बद्ध, पुनरावृत्ति, अनावश्यक बातों का त्याग तथा सभी अनिवार्य, उपयोगी तथा मूल तथ्यों का प्रवाहपूर्ण संक्षिप्त संकलन हो। संक्षेपण को ही 'सारलेखन' भी कहते हैं। संक्षेपण संक्षिप्त और स्पष्ट होना हो। उसे व्याख्या-रूप में नहीं होना चाहिए। केवल अन्वय के अर्थ को भी संक्षेपण नहीं समझना चाहिए। संक्षेपण अथवा सार-लेखन 'Precis-writing' का हिन्दी-अनुवाद है। 'Precis' शब्द फ्रेंच भाषा का शब्द है। संक्षेपण के अभ्यास से प्रश्नपत्र में दिये गये गद्यांश अथवा पद्यांश को समझने में सहजता और सुविधा होती है और स्पष्टतः लेखन-कला का बोध होता है। इसकी आवश्यकता आधुनिक युग में बहुत बढ़ गयी है; क्योंकि आज व्यक्ति को पढ़ने के लिए बहुत अधिक समय नहीं मिलता। इसके अतिरिक्त संक्षेपण के द्वारा विचारों को सुगमता से शीघ्र ही समझने और स्पष्ट रूप से सोचने का अभ्यास होता है।

संक्षेपण की विशेषताएं

संक्षिप्तता- संक्षेपण का आकार लघु होता है। इसमें मूल अंश में निहित सभी भावों और विचारों की संक्षिप्तता रहती है, अतः इसका आकार मूल रचना की तुलना में अत्यन्त लघु होता है। प्रायः सम्पूर्ण अनुच्छेद का एक-तिहाई (1/3) भाग ही संक्षेपण करते समय प्रस्तुत करना होता है।

पूर्णता- संक्षेपण की दूसरी विशेषता यह है कि इसमें पूर्णता होनी चाहिए। सार ऐसा होना चाहिए कि उसे पढ़ लेने के बाद मूल रचना के संदर्भ में तत्सम्बन्धी पूर्ण जानकारी प्राप्त हो जाये।

स्पष्टता- संक्षेपण करते समय यह ध्यान करना चाहिए कि जिस अंश का संक्षेपण किया जा रहा है, उसकी तुलना में उससे सम्बन्धित विषय को सरल और व्यकरण-सम्मत भाषा में पूर्णतः स्पष्ट कर दिया जाये। सम्पूर्ण अनुच्छेद के सारतत्त्व को अत्यन्त संक्षेप में पूर्ण स्पष्टता के साथ प्रस्तुत कर देना ही संक्षेपण की प्रमुख विशेषता है।

शुद्धता- उत्कृष्ट संक्षेपण के अन्तर्गत भाषा की शुद्धता और शैली की प्रवाहमयता भी महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है। संक्षेपण लिखते समय प्रयोग में लायी जानेवाली भाषा का व्याकरण शब्द और गठन की दृष्टि से शुद्ध और सरल होना चाहिए। जिस शैली में संक्षेपण का लेखन किया जा रहा हो, उसमें प्रवाह और प्रभाव दिखते रहना चाहिए।

शब्द-संयोजन- संक्षेपण में शब्द-संयोजन की महती भूमिका होती है। विस्तृत वाक्यों के मध्य से कुछ विशेष शब्दों का चयन किया जाता है। शब्द-संयोजन की शक्ति से विश्लेषण करने की क्षमता का भी विस्तार होता है।

क्रमबद्धता- संक्षेपण की प्रमुख विशेषताओं में विषय की क्रमबद्धता अनिवार्य है। मूल अंश में विचारों अथवा भावनाओं का जो क्रम है, उसे विखण्डित न होने दिया जाये। ऐसा तभी सम्भव है, जब मूल विचारों की सह-सम्बद्धता के प्रति सजग रहा जाये।

संक्षेपण भाषा पर लेखक के अधिकार की कसौटी है, इसीलिए हिन्दी-रचना में संक्षेपण का महत्त्व निरन्तर बढ़ रहा है। संक्षेपण में अवतरण के मूल भावों को प्रस्तुत करना आवश्यक है। लेखन के लिए दो शैलियां

संक्षेपण और सारांश में अंतर

संक्षेपण/सारलेखन *सारांश लेखन की भांति है; परन्तु दोनों में अन्तर है। संक्षेपण के लिए आवश्यक है कि अवतरण के महत्त्वपूर्ण तथ्य को एक तारतम्य में रखा जाये, जबकि सारांशलेखन में तारतम्य की आवश्यकता नहीं। संक्षेपण के समय हमें दिये हुए क्रम को बदलकर अपने तथ्यों-विचारों का क्रम बना सकते हैं; परन्तु सारांश में दिये हुए अवतरण में आये हुए तथ्यों के क्रम में परिवर्त्तन नहीं किया जा सकता। संक्षेपण एक कला है, जिसमें विशेष क्षमता प्राप्त करने के लिए अभ्यास आवश्यक है।*

प्रचलित हैं : (1) व्यास-शैली (2) समास-शैली। 'व्यास-शैली' के अन्तर्गत विस्तारपूर्वक लिखा जाता है, जबकि 'समास-शैली' के अन्तर्गत संक्षेपीकरण की प्रवृत्ति होती है। संक्षेपण आशय, भावार्थ तथा व्याख्या से भिन्न होता है। कम शब्दों में अधिक बातें कहने का कौशल ही संक्षेपण को सार्थक करता है।

संक्षेपण के तत्त्व

अब आप संक्षेपण को तत्त्वों को क्रमशः समझें:

अर्थ- दिये हुए अवतरण का अर्थ समझना आवश्यक है। इसके लिए अवतरण को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक शब्द का अर्थ जानना ज़रूरी नहीं। पूरे अवतरण को दो-तीन बार पढ़ कर का एक उपयुक्त शीर्षक चुन लेना चाहिए। यह काम कठिन नहीं; क्योंकि प्रत्येक अवतरण में कोई-न-कोई विचार अवश्य रहता है। वह विचार किसी समस्या अथवा किसी देश अथवा किसी व्यक्ति के विषय में हो सकता है। उसमें किसी दृश्य अथवा किसी वस्तु का वर्णन हो सकता है। आपको इसके प्रति जागरूक रहना होगा कि उसका विषय क्या है। प्रधान विचारों को चुन लेना चाहिए और गौण विचारों को छोड़ देना चाहिए।

भाषा-भाषा व्याकरण के नियमानुसार होना चाहिए। संक्षेपण इस प्रकार करना चाहिए, जिससे ज्ञात हो कि विचार दूसरे का है; किन्तु भाषा संक्षेपण करने वाले की। यदि भाषा संक्षेपण करने वाले की नहीं है तो इसका अर्थ यह होगा कि उसने अवतरण को समझा ही नहीं है और उसने कुछ वाक्यों को जोड़-तोड़ कर यों ही रख दिया है।

आकार अथवा लम्बाई-संक्षेपण को अवतरण का 1/3 भाग होना चाहिए। यह काम बहुत कठिन नहीं होता। दिये हुए अवतरण के सभी शब्दों की गणना कर उसे तीन से भाग देना चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं कि संक्षेपण करते समय कुछ कम अथवा कुछ अधिक शब्दों का प्रयोग नहीं किया जा सकता। हां, आपका संक्षेपण 1/3 से बहुत कम अथवा बहुत अधिक न हो।

संक्षेपण विधियां एक दृष्टि में

- *त्याग-विधि (Method of Omission) -इसके अनुसार, दिये हुए अवतरण में जितने भी अलंकार और उद्धरण हैं, उन्हें छोड़ देना चाहिए। उनका अर्थ अपनी भाषा में लिखना चाहिए। इससे शब्दों की संख्या कम होने के साथ ही भाषा आपकी होगी।*
  जैसे- *● वह इतना बहादुर है जितना कि एक शेर। संक्षेपण ● वह बहुत बहादुर है।*
- *प्रतिस्थापन-विधि (Method of Substitution)-इसके अनुसार, दिये हुए अवतरण में जो मुहावरे, कहावतें, शब्दसमूह, उपवाक्य को एक शब्द में बदल देना चाहिए। जैसे- ● पुलिस को देखते ही उसके संक्षेपण● पुलिस को देखते ही वह हतप्रभ रह गया।*
- *पुनरुक्ति-बचाव (Avoidance of Repetition)-पुनरावृत्ति वाले शब्दों को छोड़ देना चाहिए।*
- *वाच्य-प्रयोग (Use of Voice)-संक्षेपण करते समय जहां तक हो सके, 'कर्मवाच्य' का प्रयोग कम-से-कम होना चाहिए। यदि उसे पूर्णतः छोड़ा जा सके तो अति उत्तम होगा।*

'उन्नति 21' नामक इस 9-दिवसीय कार्यक्रम में हर्षा भोगले सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हो रहे हैं....

आईआईएम उदयपुर
वर्चुअल लर्निंग प्रोग्राम

- *इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, उदयपुर ने 2021-23 के एमबीए बैच के लिए शुरू किया वार्षिक एंगेजमेंट एंड लर्निंग प्रोग्राम - 'उन्नति 21'*
- *प्रख्यात स्पोर्ट्स कमेंटेटर और पत्रकार हर्षा भोगले और पर्सनल केयर आईटीसी लिमिटेड के सीईओ समीर सत्पथी भी होंगे कार्यक्रम में शामिल*
- *कार्यक्रम की थीम है- 'डिफाइंग द चैलेंजिंग टाइम्स'*

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, उदयपुर ने 2021-23 के एमबीए बैच के लिए वार्षिक एंगेजमेंट एंड लर्निंग प्रोग्राम - 'उन्नति 21' शुरू किया है। 19 जून 2021 से शुरू इस 9-दिवसीय कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के एक प्रतिष्ठित सदस्य, उद्योग जगत की अग्रणी हस्ती, डीन (कार्यक्रम), संकाय सदस्य, स्टूडेंट्स क्लब और पूर्व छात्र प्रमुख सत्रों में भागीदारी करेंगे। यह प्रोग्राम 27 जून तक चलेगा।

'उन्नति 21' का विषय 'डिफाइंग द चैलेंजिंग टाइम्स' रखा गया है। विचार-विमर्श सत्रों के दौरान इस बात पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा है कि कैसे वर्तमान महामारी सहित अन्य चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी कारोबारी दुनिया मुश्किलों को दूर करते हुए आगे बढ़ना सीख रही है। जिन परिवर्तनों के बारे में अब तक केवल सिर्फ सुना ही था, वे अब एक वास्तविकता बन गए हैं और ऐसी स्थिति में आपसी समन्वय से किस तरह अपने कारोबार की गति को कायम रखा जा सकता है, इन मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। वेबिनार, इंटरैक्टिव सत्र और अन्य आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से आईआईएम उदयपुर के विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत से छात्रों को उनकी अब तक की यात्रा के बारे में समझने में आसानी रहेगी।

आयोजन की शुरुआत में 'परिचय' के दौरान आईआईएम उदयपुर के निदेशक प्रो. जनत शाह ने कहा, ''प्रबंधन से जुड़े उम्मीदवारों के लिए अपनी आकांक्षाओं और लक्ष्यों को निर्धारित करने और आईआईएम उदयपुर में अपनी परिवर्तनकारी यात्रा शुरू करने का यह एक आदर्श समय है। एमबीए के विद्यार्थियों के उन्नति एक ऐसा अवसर है, जिसके माध्यम से वे बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, फैकल्टी, एलुमनी, इंडस्ट्री लीडर और वर्तमान छात्रों से महत्वपूर्ण जानकारी हासिल कर सकते हैं। इस तरह वे खुद के लिए और संस्थान के लिए आगामी दो वर्षों के लिए अपनी अपेक्षाओं को स्पष्ट कर सकेंगे।''

उद्घाटन सत्र में डीन (प्रोग्राम्स) प्रो. संध्या भाटिया ने दर्शकों का स्वागत किया और आने वाले बैच के छात्रों के सभी प्रश्नों का उत्साहपूर्वक उत्तर दिया।

इस कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट हस्तियों के साथ प्रख्यात स्पोर्ट्स कमेंटेटर और पत्रकार हर्षा भोगले और पर्सनल केयर आईटीसी लिमिटेड के सीईओ समीर सत्पथी भी शामिल होंगे।

कार्यक्रम विशेष रूप से 2021-23 के एमबीए बैच के लिए डिजाइन किया गया है।

हर्षा भोगले आईआईएम उदयपुर के एक प्रतिष्ठित बोर्ड सदस्य भी हैं। वे आईआईएमयू के लोगों को 'प्रिपेयर्डनेस फॉर चैलेंजेस' विषय पर संबोधित करेंगे। इमर्जेंस लर्निंग सॉल्यूशंस अगले तीन दिनों के लिए 'ग्रोथ माइंडसेट' पर एक कार्यशाला आयोजित करेगा, और कार्यक्रम के चौथे दिन विभिन्न क्लबों और समुदायों के छात्र प्रतिनिधि बातचीत करेंगे।

कार्यक्रम का समापन समीर सत्पथी के संबोधन के साथ होगा। वे 'रीइमेजिनिंग अपॉर्चुनिटीज' विषय पर अपने विचार साझा करेंगे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय सदस्य, स्टूडेंट्स क्लब के प्रतिनिधियों और पूर्व छात्रों के साथ बातचीत भी शामिल है, जो कैम्पस से लेकर कॉर्पोरेट तक की अपनी यात्रा को प्रतिभागियों के साथ साझा करेंगे।

व्यक्तित्व विकास

ऐसे प्राप्त करें लोकप्रियता

यदि आप चाहते हैं कि लोग आप में दिलचस्पी लें, तो सबसे पहले आपको लोगों में सच्चीं दिलचस्पी लेनी होगी....

प्रोफेसर डॉ. अजय जोशी
निदेशक, रोजगार-स्वरोजगार मार्गदर्शन संस्थान, बीकानेर

सुमित एक 21 वर्षीय युवक है। वह जहां कहीं भी जाता है, अपनी एक विषेष पहचान कायम कर देता है। उसकी मुस्कराहट, बातचीत, व्यवहार अच्छे श्रोता के गुण बरबस ही लोगों को आकर्षित करते है और वह उनमें लोकप्रियता प्राप्त कर लेता है। वह घर-परिवार कॉलेज, मित्र मण्डली सभी में समान रूप से लोकप्रिय है। आप भी सुमित जैसी ही लोकप्रियता प्राप्त कर सकते है। बस, आपको अपनी बातचीत, व्यवहार तथा आदतों में थोड़ा-सा परिवर्तन करना पड़ेगा। मुस्कराहट लोकप्रियता प्राप्ति की प्रथम सीढ़ी है। मुस्कराहट के बल पर आप अपनी अलग पहचान कायम कर सकते है। मुस्कराहट से न केवल आप तनाव रहित होंगे बल्कि तनावग्रस्त व्यक्ति को भी तनाव मुक्त होने में सहयोग भी कर सकते है। मुस्कराता हुआ चेहरा लोगों को बरबस ही अपनी और आकर्षित करता है। यदि आप चाहते हैं कि लोग आप में दिलचस्पी लें तो सबसे पहले आपको लोगों में सच्चीं दिलचस्पी लेनी होगी। यदि कोई व्यक्ति अपनी बात आपके सामने रख रहा है तो आपको उसे ध्यान से सुनना होगा। उसमें बीच-बीच में बेमतलब टोका-टोकी से बचना होगा। जहाँ जरुरी हो तो बीच-बीच में उसकी बातों का समर्थन करना होगा। यदि आपका कोई मित्र अपने घर-परिवार या पढ़ाई-लिखाई की बात करता है तो आप उसमें दिलचस्पी लीजिए। यदि आवश्यक हो, उसे परामर्श दीजिए। उसकी बातों को अनसुनी मत कीजिए। उसे यह मत महसूस कराइए कि उसकी बातों में आपकी कोई दिलचस्पी नहीं है। यदि आप लोगों में सच्ची दिलचस्पी लेंगे तो जरूर उनके दिलों में अपना ध्यान बना सकेंगे।

अच्छा श्रोता बनना भी सफलता की सीढ़ी का महत्वपूर्ण सोपान है। यदि आप लोकप्रियता प्राप्त करना चाहते है तो अच्छे श्रोता के गुण विकसित कीजिए। दूसरों की बातों को ध्यान से सुनिए, उन्हें बीच में मत काटिये, दूसरे की बात पूरी होने से पहले ही अपनी कथा मत छेड़िए। आप जिससे बातचीत कर रहे है उसकी दिलचस्पी का ख्याल रखें। प्रयास तो यही रहना चाहिए कि आप उसकी रुचि की ही बातें करें। यदि व्यक्ति सिनेमा प्रेमी है तो आप उससे सिनेमा के विषय में बातचीत कीजिए। वह बड़े उत्साह से आपसे बातचीत करेगा। यदि व्यक्ति की रुचि साहित्य में है तो साहित्य के विषय में बातचीत करें, व्यक्ति खेलकूद में रुचि रखनेवाला है तो आप भी खेलकूद के विषय में बात कीजिए। ऐसा नहीं हो कि वह बात इतिहास की करना चाहता है तब आप वैज्ञानिक शोध के बारे में बात करने लग जायं। वह संगीत की बात करना चाहता है तब आप राजनीतिक चर्चा छेड़ें। इससे आपकी बातचीत अधिक नहीं चलेगी। यदि आपने उसकी दिलचस्पी वाले विषय पर बातचीत की तो फिर देखिए कैसे वह आपका प्रशंशक बन जाता है। बातचीत व व्यवहार में दूसरे व्यक्ति को महत्वपूर्ण अनुभव कराना भी आपकी लोकप्रियता में बड़ी सहायता प्रदान करेगा। यदि हम चाहते है कि दूसरा व्यक्ति हमें महत्वपूर्ण माने, तो सबसे पहले हमें उसे महत्वपूर्ण व्यक्ति मानना पड़ेगा और उसे महत्वपूर्ण अनुभव कराना पड़ेगा।

बनाए रखें सहयोगी स्वभाव

हमेशा दूसरों के सहयोग हेतु तत्पर रहना भी लोकप्रियता प्राप्ति का महत्वपूर्ण साधन है। अपने घर-परिवार व मित्र रिश्तेदारों में कभी भी आपके सहयोग की जरूरत पड़ सकती है। मसलन, यदि आपका पड़ोसी बीमार है और उसे तुरंत ईलाज की जरुरत है। उसके घर में कोई नहीं है तो इस समय आपके द्वारा डॉक्टर लाना या उन्हें अस्पताल ले जाना आपका महत्वपूर्ण सहयोग होगा। वह उसे कभी नहीं भूलेगा। चाहे कोई भी अवसर हो जहां आप दूसरों का सहयोग कर सकें, तुरन्त आगे आकर कीजिए।

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

गिरीश चंद्र मुर्मू बने हैं भारत के:
(छत्तीसगढ़ पीसीएस 2020)
(a) 12वें नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
(b) 13वें नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
(c) 14वें नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
(d) 15वें नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
जवाब: (c) 14वें नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
व्याख्या: श्री गिरीश चन्द्र मुर्मू ने 8 अगस्त 2020 को भारत के 14वें नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।इससे पूर्व श्री मुर्मू जम्मू एवं कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र के पहले उपराज्यपाल थे। जम्मू एवं कश्मीर में कार्यभार ग्रहण करने से पहले श्री मुर्मू ने भारत सरकार में विभिन्न पदों पर कार्य किया जैसे व्यय विभाग के सचिव, वित्तीय सेवा विभाग और राजस्व विभाग में विशेष और अतिरिक्त सचिव, तथा व्यय विभाग में संयुक्त सचिव। केन्द्र में अपने कार्यकाल से पहले, श्री मुर्मू ने गुजरात राज्य सरकार में महत्त्वपूर्ण कार्य किए हैं। उनको प्रशासनिक, आर्थिक और अवसंरचना के क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त है।

अनिता आनंद को किस पुस्तक के लिए पेन हेसल-टिल्टमैन प्राइज़ फ़ॉर हिस्ट्री प्रदान किया गया?
(a) कोहिनूर
(b) द पेशेंट असैसिन
(c) द ब्यूटी गेम
(d) काबुल ब्लॉग्ज़
जवाब: (b) द पेशेंट असैसिन
व्याख्या: ब्रिटिश भारतीय पत्रकार और लेखिका अनिता आनंद की किताब '' द पेशेंट असैसिन : ए ट्रू टेल ऑफ मैसकर, रिवेंज ऐंड द राज'' को यहां का प्रतिष्ठित इतिहास साहित्य पुरस्कार प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि इस किताब में उन्होंने वर्ष 1919 में अमृतसर के जालियांवाला बाग में हुए नरसंहार से घिरे एक युवक (क्रांतिकारी उधम सिंह)की कहानी को पिरोया है। आनंद ने छह दावेदारों को मात देकर इतिहास के लिए प्रतिष्ठित 'पेन हैसल-टिल्टमैन प्राइज-2020' अपने नाम की। यह पुरास्कार हर साल वास्तविक घटनाओं खासतौर पर इतिहास से जुड़े तथ्यों के आधार पर लिखी पुस्तकों को दिया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा जलवायु परिवर्तन पर बनाए गए युवा परामर्शदाता समूह में किस भारतीय को शामिल किया गया?
(a) सुमिता नारायण
(b) वंदना शिवा
(c) अर्चना सोरेंग
(d) वैशाली बनर्जी
जवाब : (c) अर्चना सोरेंग
व्याख्या : भारत की जलवायु कार्यकर्ता, अर्चना सोरेंग को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने अपने नए सलाहकार समूह में शामिल करने के लिए नामित किया है। इस समूह में युवा नेता शामिल हैं जो बिगड़ते जलवायु संकट से निपटने के लिए परिप्रेक्ष्य और समाधान देंगे।सोरेंग वकालत और अनुसंधान में अनुभवी हैं और वह जातीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक आचार-व्यवहार को कलमबंद करने, संरक्षण देने और बढ़ावा देने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टिस), मुंबई से नियामक प्रशासन की पढ़ाई की है और टिस छात्र संघ की पूर्व अध्यक्ष रही हैं।

भारतीय संविधान के किस संशोधन में वनों को राज्य सूची से समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया गया?
(a) 41वां (b) 42वां
(c) 43वां (d) 45वां
जवाब : (b) 42वां
व्याख्या : 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के तहत पांच विषयों को राज्य सूची से समवर्ती सूची में शामिल किया गया है। वे हैं- शिक्षा, वन, नाप-तौल, वन्यजीवों एवं पक्षियों का संरक्षण, न्याय का प्रशासन।भारतीय संविधान में केंद्र व राज्यों के बीच विधायी शक्तियों के रूप में सातवीं अनुसूची में तीन प्रकार की सूचियां उपस्थित हैं। प्रथम 'संघ सूची' में महत्त्वपूर्ण विषयों का उल्लेख है जिसमें रक्षा, संचार, विदेश नीति आदि शामिल हैं और जहां सिर्फ केंद्र के कानून प्रभावी हैं।द्वितीय 'राज्य सूची' में राज्य सरकार के पास कानून बनाने की

शक्ति है लेकिन मतभेद की स्थिति में राज्य कानून के ऊपर केंद्रीय कानून को वरीयता मिलेगी। इस सूची में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं, जैसे- स्थानीय शासन, मत्स्य पालन, सार्वजनिक व्यवस्था आदि।तीसरी 'समवर्ती सूची' जहां केंद्र व राज्य के कानूनों में विरोध नहीं होना चाहिये अन्यथा केंद्र के कानून प्रभावी होंगे। वर्तमान में इसमें 52 विषय (मूलतः 47) हैं, जैसे- आपराधिक कानून प्रक्रिया, सिविल प्रक्रिया, विवाह एवं तलाक, श्रम कल्याण, बिजली आदि।

निम्नलिखित में से किन देशों ने नामा-11 का गठन किया है?
(a) विकसित देश
(b) विकासशील देश
(c) कम विकसित
(d) विकासशील तथा कम विकसित
जवाब : (b) विकासशील देश
व्याख्या : नामा-11 का सम्बंध विश्व व्यापार संगठन के ग़ैर कृषि बाज़ार पहुंच (नॉन-एग्रीकल्चरल मार्केट एक्सेस) समझौता वार्ताओं से सम्बंध है, 11 विकासशील देशों का यह समूह अपने ग़ैर कृषि निर्यातों यानि विनिर्मित वस्तुओं, खनन उत्पादों तथा अन्य के लिए प्रशुल्कों में कमी की मांग करता है तथा अन्य बाधाओं की समाप्ति का पक्ष लेता है।

अम्ल वर्षा में निम्नलिखित होते हैं:
(a) एसीटिक अम्ल व फ़ास्फोरिक एसिड
(b) एसीटिक अम्ल व सल्फ्यूरिक एसिड
(c) नाइट्रिक अम्ल व सल्फ़्यूरिक एसिड
(d) हाइड्रोजन क्लोराइड तथा एसीटिक एसिड
जवाब : (c) नाइट्रिक एसिड तथा सल्फ़्यूरिक एसिड
व्याख्या : अम्लीय वर्षा (Acid rain), प्राकृतिक रूप से ही अम्लीय होती है। इसका कारण यह है कि पृथ्वी के वायुमंडल में सल्फर डाइआक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जल के साथ क्रिया करके नाइट्रिक अम्ल और सल्फ़्यूरिक अम्ल बन जाता है। अम्लवर्षा में अम्ल दो प्रकार के वायु प्रदूषणों से आते हैं : SO_2 और NO_2, ये प्रदूषक प्रारंभिक रूप से कारखानों की चिमनियों, बसों व स्वचालित वाहनों के जलाने से उत्सर्जित होकर वायुमंडल में मिल जाते है

ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(a) सुरेंद्रनाथ बनर्जी
(b) गोपालकृष्ण गोखले
(c) राधाकांत देव
(d) आनंदमोहन बोस
जवाब : (c) राधाकांत देव
व्याख्या : 1851 में लैंड होल्डर्स सोसाइटी एवं बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसाइटी के विलय के उपरान्त यह संगठन अस्तित्व में आया। इसके अध्यक्ष राधाकांत देव थे। इसके सचिव देवेन्द्रनाथ टैगोर चुने गये थे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का त्रिपुरी अधिवेशन कब आयोजित हुआ जिसमें सुभाष चंद्र बोस को अध्यक्ष चुना गया?
(a) 1936 (b) 1937
(c) 1938 (d) 1939
जवाब : (d) 1939
व्याख्या : जबलपुर के पास स्थित त्रिपुरी में वर्ष 1939 में कांग्रेस का 52वां अधिवेशन आयोजित हुआ था। त्रिपुरी अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस को कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया था। उन्होंने महात्मा गांधी के प्रतिनिधि पट्टाभि सीतारमैया को 203 वोटों से हराया था।

1920 में आयोजित ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता किसने की?
(a) लाला लाजपत राय
(b) बाल गंगाधर तिलक
(c) सुरेंद्रनाथ बनर्जी
(d) बिपिन चंद्र पाल
जवाब : (a) लाला लाजपत राय
व्याख्या : 1920 में एटक (AITUC-All India Trade Union Congress) का गठन किया गया और लाला लाजपत राय पहले निर्वाचित अध्यक्ष बने। उनके समर्थन की वजह से 1926 में ट्रेड यूनियन एक्ट पारित किया गया।एटक ने देश के मजदूर आंदोलन के साथ स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन पर भी अमिट छाप छोड़ी। जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, देशबंधु चित्तरंजन दास, दीनबंधु एंड्रयूज, वीवी गिरी और श्रीपाद अमृत डांगे जैसे नेता एटक के अध्यक्ष बने। वर्ष 1927 में पहली बार एटक ने मई दिवस मनाने का आवाहन किया। आजाद भारत में मजदूरों के योगदान की पहचान करते हुए उनकी मांगों एवं प्रस्तावों को संविधान में सम्मिलित कर उन्हें पहचान दी गई।

संकलनकर्ता: जितेश जोशी

सिंटाना एलायंस में शामिल नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी

गुरुग्राम। नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी (एनसीयू) ने सिंटाना एलायंस से एक अहम् करार किया है। सिंटाना पूरी दुनिया के अहम् विश्वविद्यालयों का नेटवर्क है जो (विश्वविद्यालय) एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी (एएसयू) की मदद से उनके देशों की आर्थिक जरूरतें देखते हुए उच्च गुणवत्ता के शैक्षिक कार्यक्रमों का विकास और विस्तार करते हैं। इस करार से एनसीयू के लिए भारत सरकार की नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020: शिक्षा का डिजिटल परिवर्तन, आधुनिक पाठ्यक्रम, नए इनोवेटिव प्रोग्राम और विस्तृत शोध सहयोग को अपनाना आसान होगा।

आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी शिक्षा व्यवस्था भारत की है और एनईपी 2020 से इसमें बड़े बदलाव आ रहे हैं। इसके तहत 2035 तक सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 50 फीसद करने की योजना है जो 2018 में 26.3 फीसद था। पहले से बदलते शिक्षा परिवेश में कोविड-19 महामारी की वजह से बदलाव की गति बढ़ गई है और इसमें आधुनिक तकनीक की अहम् भूमिका रही है। पूरी दुनिया के विद्यार्थी अपने घर पर आराम से उच्च गुणवत्ता के पाठ्यक्रमों का लाभ ले रहे हैं जो वैश्विक दृष्टिकोण से डिजाइन किए गए हैं।

इस प्रतिस्पर्धी युग में विद्यार्थियों को डिजिटल कौशल में निपुणता चाहिए। यह 21 वीं सदी में अच्छे करियर की पहली शर्त है। इस लिहाज से एनसीयू का एएसयू और सिंटाना एडुकेशन से तीन-स्तरीय विशिष्ट साझेदारी का विद्यार्थियों को विशेष लाभ होगा।

करार के बारे में एनसीयू के प्रो चांसलर प्रो. (डॉ.) मिलिंद पडलकर ने कहा, ''नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी भारत में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने के 25 साल पूरी कर चुकी है। एएसयू और सिंटाना के संग नई यात्रा को लेकर हम उत्साहित हैं।''

पर्यटन प्रबंधन में रोजगार की कमी नहीं

आज पर्यटन एक अंतरराष्ट्रीय उद्योग के रूप में विकसित हो गया है। अतः इस क्षेत्र में तमाम व्यावसायिक अवसर पैदा हुए हैं और भविष्य में इसमें और ज्यादा बढ़ोतरी होगी...

वालेस जेकब
मैनेजमेंट प्रोफेसर

किसी समय था जब होटल, ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट और टूर ऑपरेटर एक-दूसरे से स्वतंत्र रूप से काम करते थे। होटलों का उपयोग यात्रियों द्वारा रात्रि विश्राम के लिए किया जाता था। एयरलाइंस, रेलवे और बसें यात्रियों को सीटें बेचती थीं। ट्रैवल एजेंट सलाह और यात्रा संबंधी सेवाएं देते थे। फिर एक समय आया जब 'अवकाश और यात्रा उद्योग' अस्तित्व में आया जो पर्यटन का विज्ञापन करता है और इन सारी गतिविधियों को एक एकीकृत पैकेज के रूप में पेश किया जाने लगा। होटलों ने अब शॉपिंग आर्केड विकसित कर लिए हैं और इंटरनेट सेवाओं
और सम्मेलन सुविधाओं सहित सचिवीय सेवाएं भी प्रदान करते हैं। एयरलाइंस ने अपने परिचालन का विस्तार किया है और अब अपने ग्राहकों को बीमा, शहर के भीतर यात्रा सेवाएं के साथ-साथ आवास सेवाएं भी प्रदान करती हैं।

पर्यटकों के लिए एक गंतव्य के रूप में भारत अपनी भौगोलिक विविधता, आकर्षक समुद्र तट और 25 जैव-भौगोलिक क्षेत्रों के कारण हमारा देश अत्यंत आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत में कई ऐसे स्थल हैं जहां पर्यटक पर्वतारोहण, ट्रेकिंग, बंजी जंपिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग और रॉक क्लाइंबिंग का आनंद ले सकते हैं। चिकित्सा पर्यटनः केरल में कई आयुर्वेदिक केंद्र हैं जहां पर्यटक विशेष आयुर्वेदिकउपचार का लाभ उठा सकते हैं।

रोचक तथ्य

आईबीईएफ की रिपोर्ट के अनुसारः

- 2019 में 10.89 मिलियन विदेशी पर्यटक भारत में आये थे। केवल 2019 में ई-टूरिस्ट वीजा का उपयोग करके 2.93 मिलियन विदेशी पर्यटक भारत आये थे।
- 2019 में यात्रा और पर्यटन क्षेत्र का कुल रोजगार के अवसरों में 8.0 % हिस्सा था।
- नवंबर 2018 में भारत ने चीन और यूएस के बाद विश्व पर्यटन में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

ग्रामीण पर्यटनः भारत में 6.3 लाख से अधिक गांव आकर्षण का स्रोत हैं जहां पर्यटक स्वस्थ्य, तनाव मुक्त व सुखद जीवन अनुभव पा सकते हैं।
तीर्थ पर्यटनः देश के प्राचीन धार्मिक स्मारक बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
अनुकूल पर्यावरण पर्यटनः थेनमाला (केरल) भारत का पहला नियोजित पर्यावरण पर्यटन स्थल है।
समृद्ध पारंपरिक पर्यटन स्थलः भारत में कई ऐतिहासिक किले, राजसी उद्यान और कला दीर्घाएँ हैं जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।
फिल्म सिटी पर्यटनः पर्यटन का एक विशिष्ट रूप है जहां आगंतुक उन स्थानों में जा सकतें हैं जो फिल्मों और टेलीविजन श्रृंखलाओं में दिखाए जाने के कारण लोकप्रिय हो गए हैं। फिल्म पर्यटन में प्रोडक्शन स्टूडियो के साथ-साथ फिल्मों या टेलीविजन से संबंधित पार्कों के दौरे भी शामिल हैं (उदाहरण के लिए हैदराबाद में रामोजी फिल्म सिटी)।
प्रकाश स्तंभ पर्यटनः पर्यटन स्थलों के रूप में विकास के लिए भारत में 71 प्रकाश स्तंभों की पहचान की गई है।

पर्यटन और यात्रा प्रबंधन के लिए प्रीमियर संस्थान

***भारतीय** पर्यटन और यात्रा प्रबंधन संस्थान (आई आई टी एम्): भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है। आई आई टी एम का मुख्यालय ग्वालियर में है और इसके केंद्र भुवनेश्वर, गोवा, नोएडा और नेल्लोर में स्थित हैं।*

संगीत दिवस पर खास

अपने संगीत से प्रेरित कर रहा है एक युवा

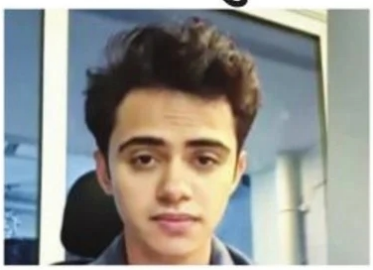

सकारात्मक युवा हमेशा समाज के लिए एक बहुत मजबूत संदेश वाहक बनता है। लेकिन वक्त है की यह सकारात्मक संदेश कोरोना कल में एक जुट होने और प्रोत्साहित करने वाले सन्देश हों। ऐसे ही एक युवा हैं गाजियाबाद के ईशान मिश्रा जिनकी उम्र अभी केवल 16 साल ही है, जो अपने संगीत से दुनिया को प्रेरित कर रहे हैं। पूरी दुनिया जहां आज वैश्विक महामारी से गुजर रही है और हम में से हर कोई आत्म निरीक्षण और आत्म विकास वाले समय से गुजर रहा है। वहीं, देश में कुछ ऐसे भी युवा हैं जो आत्म-विकास का जीता जगता उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। ईशान मिश्रा एक ऐसे संगीत किशोर हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं और किसी भी चीज से ज्यादा संगीत को पसंद करते हैं। गीत लेखन, रचना एवं कविता से कल्पना की संरचना यह ईशान की रुचियां हैं। ईशान की कलम से लिखी कवितायें, गीत गाथाएं भावनात्मक भी हैं और प्रेरक भी। इतनी कम उम्र में ईशान जीवन एवं संबंधों के बारे में गहराई से सोचते हैं। उनका मकसद संगीत के साथ समुदायों को जोड़ना है और जीवन को एक सकारात्मक नजरिये से जीना है। इसी गुण ने इशान को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार लोकप्रिय बना रखा है।

टिंकर कोडर्स ने ग्रामीण क्षेत्रों में की कोडिंग समर कैंप की शुरुआत

भारत के अग्रणी कोडिंग प्लेटफॉर्म टिंकर कोडर्स ने हाल ही में K-12 छात्रों के लिए अपना ऑनलाइन कोडिंग समर कैंप लॉन्च किया है, जहां बच्चे कोडिंग सीख सकते है। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण, अर्ध-शहरी क्षेत्रों के सभी छात्रों को टियर 2 / टियर 3 शहरों से डिजिटल रूप से जोड़ना और उन्हें नए सीखने के तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान को शुरू करने के पीछे का उद्देश्य समाज के आकांक्षी वर्गों से आने वाले छात्रों को विजुअलाइज़ेशन, रचनात्मकता, लॉजिकल थिंकिंग, विश्लेषणात्मक सोच, डिजाइन थिंकिंग और समस्या सुलझाने की क्षमता को विकसित करना है। ऑनलाइन कोडिंग कैंप में छात्र कंप्यूटर/लैपटॉप के अन्यथा स्मार्टफोन से भी कोडिंग सीख सकेंगे। प्रत्येक सत्र 1 घंटे का होगा जिसमें प्रति बैच 10-15 बच्चे होंगे। केवल प्रति छात्र 499 रुपये के किफायती मूल्य पर छात्रों 10 सत्रों में कोडिंग सीख पाएंगे ।

अभियान के शुभारंभ पर , अनूप गौतम, सीईओ और सह-संस्थापक, टिंकर कोडर्स, कहते हैं, "कोविड -19 की दूसरी लहर के उदय के साथ, सरकार ने स्कूलों को बिना कक्षाओं के बंद रहने का आदेश दिया है। संकट की इस अवधि के दौरान, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को समझना महत्वपूर्ण है क्योंकि कोविड -19 सभी के बीच चीजों के सामान्य होने की अनिश्चितता को बढ़ाता है। कोडिंग सीखने के साथ साथ बच्चे विभिन्न प्रकार से सामुदायिक कार्यक्रमों में खुद को व्यस्त रख पाएंगे और यह उनके कौशल में भी वृद्धि करेगा।"

टिंकर कोडर्स के बारे में

एडटेक कंपनी टिंकर कोडर्स, K-12 छात्रों को ऑनलाइन कोडिंग पाठ्यक्रम पढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करती है। इसे मार्च 2020 में लॉन्च किया गया था और यह 21वीं सदी के छात्रों को कोडिंग, रोबोटिक्स, IoT और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) में खोज, अनुभव और नवाचार लाने का अवसर प्रदान करता है। 10 महीनों के भीतर, कंपनी ने संकट के समय में भी अपनी लाभप्रदता में भारी उछाल देखा है। कंपनी ने दुनिया भर में 2.5 लाख से अधिक ग्राहकों को बना लिया है।

Inspirational Quotes

I lost, I won

I lost- but I never gave up,
I won- but I never showed off,
I worked hard backstage and
They performed- got applauded,
But I never turned up to reveal my hard work.
People say I am stupid,
Though I disagree- I never challenged.

It's about you!

Time- Just make it yours,
Dreams- Don't just see them, follow them,
Character- It defines you, don't let others define it for you,
Space- Take a break from the world and have your own space
Attitude- Don't have same for all
Personality- Have it Simple yet Impressive
Behavior- It defines your culture
Patience- Show it,till it don't prove you weak.
Happiness-You owe your own.

- Unnati

इब्राहिम रईसी के हाथ में ईरान की कमान

हाल में हुए राष्ट्रपति चुनाव में रईसी को करीब 62 फीसदी मत मिले...

ईरान के राष्ट्रपति चुनाव में बहुत कम वोटिंग के बीच न्यायपालिका के प्रमुख रह चुके कट्टरपंथी नेता इब्राहिम रईसी बड़े अंतर से जीते हैं। वे देश के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामनेई के कट्टर समर्थक हैं। ईरान के गृह मंत्रालय ने 19 जून को बताया कि रईसी को चुनाव में करीब 62 फीसदी मत मिले। मतदान का प्रतिशत महज 48.8 दर्ज किया गया, जो देश के इतिहास में अब तक का सबसे कम मत प्रतिशत है। एकमात्र उदारवादी प्रत्याशी अब्दुल नासिर हेम्माती पीछे रह गए। प्रतिद्वंद्वी हेम्माती व मोहसिन रेजाई ने रईसी की जीत स्वीकार कर ली है। ईरान में राष्ट्रपति बनने के लिए 50 फीसदी से अधिक मत चाहिए होते हैं और इब्राहिम रईसी की यह जीत बड़े अंतर से हुई है। उन्हें प्रारंभिक नतीजों में ही 1.78 करोड़ मत हासिल हो चुके थे। ईरान के गृह मंत्रालय में चुनाव मुख्यालय के प्रमुख जमाल ओर्फ ने बताया कि शुरुआती नतीजों में पूर्व रेवोल्यूशनरी गार्ड कमांडर मोहसिन रेजाई को 33 लाख और 'सेंट्रल बैंक' के पूर्व प्रमुख हेम्माती को 24 लाख मत ही मिले। एक अन्य प्रत्याशी आमिर हुसैन गाजीजादा हाशमी को 10 लाख मत मिले। हेम्माती और रेजाई ने रईसी को इस जीत पर बधाई दे दी है।

ईरान में राजनीतिक सर्वोच्चता

ईरान एक ऐसा देश है जहां के राजनीतिक ढांचे को समझना काफी जटिल है। ईरान में एक ओर जहां सर्वोच्च नेता से नियंत्रित अनिर्वाचित संस्थाओं का जाल है, तो वहीं दूसरी ओर ईरान के मतदाताओं की ओर से चुनी हुई संसद और राष्ट्रपति हैं। इस प्रकार इन दोनों ही तंत्रों को एक साथ मिलकर काम करना होता है। ईरान में सर्वोच्च नेता का पद सबसे ताकतवर है, जिस पर अभी अयातोल्लाह अली खामेनेई काबिज हैं।

पद संभालने से पूर्व प्रतिबंधित कर चुका है अमेरिका

इब्राहिम रईसी की जीत की आधिकारिक घोषणा के बाद वे देश के ऐसे पहले ईरानी राष्ट्रपति होंगे जिन पर पदभार संभालने से पहले ही अमेरिका प्रतिबंध लगा चुका है। उन पर यह प्रतिबंध 1988 में राजनीतिक कैदियों की सामूहिक हत्या के लिए तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना झेलने वाली ईरानी न्यायपालिका के मुखिया के तौर पर लगाया गया था।

ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख रहे मौलवी रईसी ने ईरानी मतदाताओं वादा किया है कि वे देश में भ्रष्टाचार पर काबू पाने के साथ आर्थिक समस्याओं को दूर करेंगे। वे ईरान की सबसे समृद्ध सामाजिक संस्था और मशहाद शहर में मौजूद आठवें शिया इमाम अली रजा की पवित्र दरगाह आस्तान-ए-कुद्स के संरक्षक भी रह चुके हैं। रईसी हमेशा काली पगड़ी बांधते हैं जो इस बात का प्रती के है कि व सैय्यद हैं।

राष्ट्रपति चुनावों से पहले गार्जियन काउंसिल ने उम्मीदवारों के लिए कड़े नियम लागू किए थे। इसके चलते केवल सात उम्मीदवार ही चुनावी दौड़ में शामिल हुए। संसद के पूर्व स्पीकर अली लारिजानी समेत कई उम्मीदवारों को राष्ट्रपति पद की रेस में शामिल होने से पहले ही अयोग्य घोषित कर दिया गया। इस फैसले को सर्वोच्च नेता खामनेई का भी समर्थन मिला। यह सब रईसी के लिए एक तरह से जीत पक्की कर गया।

WEEKLY DAIRY

16 जून

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और भारत सरकार ने तमिलनाडु में चेन्नई-कन्याकुमारी औद्योगिक गलियारे (सीकेआईसी) में परिवहन संपर्क में सुधार और औद्योगिक विकास को सुगम बनाने के लिए 484 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए।

17 जून

अमेरिकी सीनेट ने पानी से जुड़े मुद्दों की विशेषज्ञ भारतीय-अमेरिकी राधिका फॉक्स की पर्यावरणीय संरक्षण एजेंसी के जल कार्यालय के प्रमुख के तौर पर पुष्टि कर दी है। सीनेट ने 43 के मुकाबले 55 मतों से फॉक्स के नाम पर अपनी मुहर लगाई।

18 जून

भारत और भूटान ने पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग के लिये एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू में जलवायु परिवर्तन, कचरा प्रबंधन आदि के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। इससे दोनों देशों की प्रोद्यौगिकी, वैज्ञानिक और प्रबंधन क्षमताओं को मजबूती मिलेगी।

खेल

■ ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ (891 अंक) न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन (886 अंक) को हटाकर फिर से दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशाने (878) तीसरे स्थान पर हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत (747 अंक) और ओपनर रोहित शर्मा (747 अंक) ने अपना संयुक्त छठा स्थान बरकरार रखा है। भारतीय कप्तान विराट कोहली (814 अंक) आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

■ साजन प्रकाश व श्रीहरि नटराज ने बेलग्रेड ट्रॉफी तैराकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते लेकिन टोक्यो खेलों के 'ए' क्वालिफिकेशन स्तर को हासिल करने से चूक गए।

■ पुर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैदान के बाहर इतिहास रच दिया। दरअसल, रोनाल्डो के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 300 मिलियन यानी 30 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए हैं। ऐसा करने वाले वे दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए हैं।

नियुक्ति

■ 16 जून को आगरा के डॉ. रामबाबू हरित को उप्र. अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग में अध्यक्ष नामित किया गया। वहीं, शाहजहांपुर के मिथिलेश कुमार व सोनभद्र के राम नरेश पासवान को आयोग में उपाध्यक्ष बनाया गया है।

■ राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कनेक्टिकट के संघीय न्यायाधीश पद के लिए भारतीय-अमेरिकी नागरिक अधिकार अधिवक्ता सरला विद्या नगाला को नामित किया है।

■ माइक्रोसॉफ्ट ने मुख्य कार्यकारी सत्य नडेला को 17 जून को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के अध्यक्ष (चेयरमैन) के रूप में नामित किया है। नडेला को कंपनी में नई ऊर्जा लाने का श्रेय दिया जाता है।

■ सरकार ने 17 जून को डब्ल्यूटीओ में भारत के स्थाई मिशन में पहली बार एक निजी व्यक्ति आशीष चांदोरकर (नीति थिंक टैंक स्माही फाउंडेशन ऑफ पॉलिसी एंड रिसर्च के निदेशक) को तीन साल के कार्यकाल के लिए निदेशक बनाया गया।

■ संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने एंटोनियो गुटेरेस को 18 जून को फिर से अपना महासचिव नियुक्त किया।

निधन

■ कोरोना वायरस की चपेट में आने के बाद 30 दिन से संघर्ष कर रहे मिल्खा सिंह ने 18 जून रात को 91 साल की उम्र में यहां पीजीआई में आखिरी सांस ली। उन्होंने देश के लिए 1958 कॉमनवेल्थ खेलों और चार एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक जीते। मिल्खा सिंह और उनके पुत्र जीव, दोनों को अलग-अलग भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से नवाजा जा चुका है।

■ जाम्बिया के पहले राष्ट्रपति केनेथ कौंडा का 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

■ सिद्ध मलयालम कवि और गीतकार एस रामेसन नायर का कोरोना से 18 जून को निधन हो गया, वह 73 साल के थे। **-सौरभ सिंह**

विज्ञान

■ चीन ने तीन अंतरिक्ष यात्रियों - हैशेंग, लियु बोमिंग और तांग होंग्बो को शेनझोउ-12 यान से 17 जून को अपने निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना कर दिया। यहां वे तीन माह तक उसके कोर मॉड्यूल 'तियान्हे' में रहेंगे। पांच साल में चीन का यह पहला मिशन है जिसमें उसने इंसान को अंतरिक्ष में भेजा है। 'तियान्हे' चीन द्वारा भेजा गया तीसरा और सबसे बड़ा अंतरिक्ष स्टेशन है।

■ भारत और तीन यूरोपीय देशों इटली, स्पेन और फ्रांस ने 18-19 जून को अदन की खाड़ी में हाई वोल्टेज नौसेना वारगेम ड्रिल किया। इसका मकसद ऑपरेशनल क्षमताओं में सुधार करना और अहम जलमार्गों में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देना है। इस संयुक्त नौसेना ड्रिल को 'यूनावफोर' नाम दिया गया है।

■ भारतीय-अमेरिकी केमिस्ट सुमिता मित्रा ने दंत चिकित्सा में नैनो तकनीक के उपयोग के लिए यूरोप का सबसे प्रतिष्ठित यूरोपीय आविष्कारक पुरस्कार-2021 जीता। उन्होंने यह पुरस्कार गैर-ईपीओ देशों की श्रेणी में जीता।

WEEKLY DAIRY

19 जून

एनटीपीसी विद्युत मंत्रालय के तहत एक महारत्न सीपीएसयू है जिसे लगातार 15वें वर्ष भारत में नौकरी के लिए बेहतरीन संस्थानों में से एक के रूप में 38वां स्थान मिला है। एनटीपीसी भारत के शीर्ष 50 सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थलों में लगातार शामिल होने वाला एकमात्र पीएसयू है। एनटीपीसी का पिछले साल 47वां स्थान था।

20 जून

गंगा दशहरा के अवसर पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, गंगा क्वेस्ट 2021 के परिणाम घोषित किए गए । बच्चों और युवाओं को गंगा और भारत की अन्य नदियों के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए एक शैक्षिक कार्यक्रम के रूप में ऑनलाइन गंगा क्वेस्ट का आयोजन किया गया था।

21 जून

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर सरकार ने टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत की। पहले ही दिन देश में रिकॉर्ड टीकाकरण देखने को मिला। कोविड टीकाकरण के लिए संशोधित दिशानिर्देश लागू किए जाने के पहले दिन कोविड रोधी टीकों की 85 लाख से अधिक खुराकें लगाई गईं।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0564

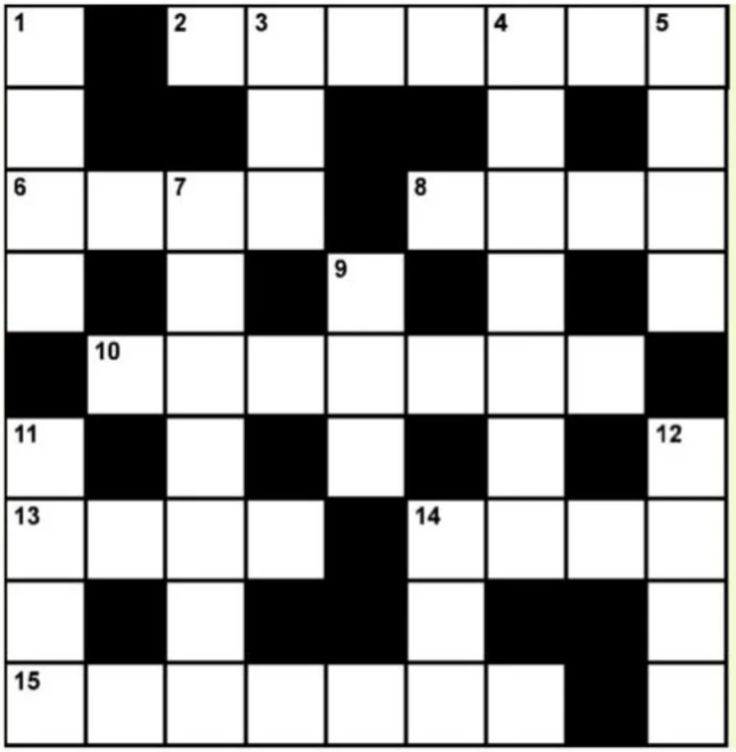

बाएं से दाएं: 7/37

2. 24 जुलाई 1928 को विसावदर (जिला जूनागढ़) में जन्मे गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री जिनका 29 अक्तूबर 2020 को अहमदाबाद में निधन हो गया; मुख्यमंत्री छबीलदास मेहता के उत्तराधिकारी (4,3)
6. ब्रह्मा (4)
8. श्रीनगर का ऐतिहासिक स्थान जहां तिरंगा झंडा फहराना बड़े ही गर्व की बात मानी जाती है (2,2)
10. आमंत्रण देना; बुलाना; निमंत्रित करना; न्योता देना (4,3)
13. अन्य देश में उत्पन्न; विदेश में बना; विदेशी (4)
14. आवाजाही; आवागमन (4)
15. 'शेव्रोले स्पार्क' नाम से कार बनाने वाली कार बनाने वाली अमेरिकी कंपनी जिसके संयंत्र गुजरात के हलोल और महाराष्ट्र के तलेगांव में हैं (4,3)

ऊपर से नीचे: 9/39

1. 1 जनवरी 1941 को जन्मा वामहस्त बल्लेबाज व पूर्व भारतीय कप्तान 'अजीत ....'; 1972 में पद्मश्री से सम्मानित भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी (4)
3. सीप से उत्पन्न; मुक्ता; मोती; रसोपल (3)
4. शुरुआत करवाना; छेड़खानी करवाना (3,4)
5. झूलना; ऊंचे स्थान से बंधना; टंगना; काम अधूरा रह जाना (4)
7. भारत रत्न से सम्मानित गायिका जो भारत कोकिला के नाम से भी विख्यात हैं (2,5)
9. 2014 में आई निर्माता आदित्य चोपड़ा की कनु बहल निर्देशित रणवीर शौरी, शिवानी रघुवंशी, ललित बहल, शशांक अरोड़ा, अमित स्याल की फिल्म; चमचमाते वस्त्रों वाली युवती; फूलों पर मंडराने वाला रंग बिरंगे सुंदर पंखों वाला एक कीट (3)
11. कविश्रेष्ठ; भाट; चारण; वैद्यों की एक उपाधि (4)
12. कहते हैं यहां का पान खाकर 'बंद अक्ल का ताला' खुल जाता है; पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक प्राचीन धार्मिक शहर (4)
14. जंतु जिसका शिकार किया जाए; जंतु जिसका शिकार खेला जाए; अहेर; मृगया; शिकार (3)

– हरीश चन्द्र सन्सी
प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0563

1 त		2 आ	दि	3 शं	क	4 रा	चा	र्य
5 ल	वं	ग		कु		ह		
त		म			6 रा	ज	ह	7 रा
म		8 न	9 क्ष	त्र		न		ह
10 ह	ठ		म्य		11 छा		12 खे	त
मू		13 अ		14 प्र	ता	15 प		भु
16 द	श	मे	श			री		ग
		रि		17 इं		18 क्ष	म	ता
19 दी	पि	का	पा	दु	को	ण		न

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN

Towards Better ENGLISH - 91

Other ways to say 'good job' (1):

- Excellent
- Exceptional
- Fabulous
- First class job
- Good thinking
- Great work
- How creative
- I'm impressed!
- I'm speechless.
- I've never seen anyone do it better.
- It's perfect.
- Keep up the great work.
- Marvelous
- Outstanding

Word /phrase of the week:

Conciliate- (i) willing to end a disagreement with someone, or (ii) make somebody less angry or more friendly (समझौता या सुलह करना)

- His duty was to conciliate the teams.
- It is hard to conciliate the employees and the management on this point.

Interesting Fact:

Fastest time to recite the first verse of a song (English)- The fastest time to recite the first verse of a song is 7.91 seconds and was achieved by Daniel Back (UK), on Heart FM Breakfast, London, UK, on 12 November 2009. The verse recited was from Madonna's True Blue and Daniel was the first lucky caller to recite the verse in under 10 seconds, he had phoned into the show from the A10 road. The record was attempted as part of Guinness World Records Day 2009. - Guinness World Records

डॉ. विनोद कुमार मंगवानी
सह-प्राध्यापक (अंग्रेजी), मर्चेंट नेवी संस्थान, पुणे

क्या आप जानते हैं?

मंदिर सिर्फ उपासना का घर नहीं बल्कि ज्ञान-विज्ञान पर आधारित एक अनकही इमारते हैं। वास्तुकला का उत्तम नमूना ये मंदिर आस्था और विज्ञान का केंद्र भी हैं। चाहे बात करें काशी-विश्वनाथ मंदिर के मंदिर पर आधारित किंवदंती से निकले हनोई टावर की या ग्वालियर के चतुर्भुज मंदिर के राम पट्टी की जिस पर शून्य के चिन्ह को उकेरने की कहानी लिखी है। आज ऐसे ही एक महत्वपूर्ण मंदिर की बात हम यहां कर रहे हैं। उड़ीसा के पुरी जिले में स्थित कोणार्क का सूर्य मंदिर चन्द्रभागा नदी के मुहाने पर 13वीं सदी में राजा नरसिंहदेव के शासनकाल में बनाया गया था। इस मंदिर को काला पैगोडा भी कहा जाता है। क्योंकि, इसका निर्माण काले पत्थर से किया गया है। कोणार्क का शाब्दिक अर्थ है – कोण + अर्क (सूर्य)। सूर्य को समर्पित इस मंदिर में दीवारों पर उकेरे बड़े-बड़े पहिये जिनका व्यास लगभग 9 फीट 9 इंच तक बड़े हैं। इन्हें सूर्य के लिए बनाये रथ को 7 घोड़ों द्वारा खींचता दिखाया गया है। ये सप्ताह के 7 दिनों को इंगित करते हैं। मंदिर में 12 युग्म के पहिये साल के 12 महीनों और कुल 24 पहिये दिन के 24 घंटों के लिए बनाये गये हैं।

13वीं सदी में बना कोणार्क मंदिर

अभियान्त्रिकी और खगोल विज्ञान का अद्भुत नमूना है। इसकी मदद से दिन के किसी समय का मान मिनट तक सही रूप से निकाला जा सकता है। इस मंदिर में बने कई सूर्य घड़ी और चंद्र घड़ी सही समय बताने का काम बड़ी बखूबी से करने के लिए उपयुक्त हैं। बड़े-बड़े सूर्य घड़ी के अंदर 8 मोटे छड़ हैं, जो पूरे दिन के 24 घंटे को 3 घंटे के बराबर अंतराल में बांटते हैं। ये 8 छड़ दिन के 8 प्रहर को बताने के लिए हैं। इसके अलावा इन मोटे छड़ के ठीक बीच में 8 पतले छड़ हैं, जो प्रत्येक 3 घंटे को दो बराबर हिस्से में बांटते हैं अर्थात एक मोटे और एक पतले छड़ के बीच 90 मिनट का समय दर्शाने के काम आता है। इन मोटे और पतले छड़ के बीच में 30 मोतीनुमा दाने बने हैं, जो 90 मिनट को 30 बराबर अंतराल में बांटने के लिए बनाया गया है अर्थात प्रत्येक दाने 3 मिनट को बताने का काम करते हैं। ये मोती के दाने काफी बड़े हैं। अतः सूर्य की छाया का मोती के दाने पर पड़ना या इन मोतियों के बीच पड़ना समय के मिनट तक सही समय का आकलन करता है। दोपहर के समय जब सूर्य पूरब से पश्चिम की तरफ गुजरता है तो सूर्य की परछाई दीवार पर बने सूर्य घड़ी पर नहीं पड़ती इसलिए दीवार पर बने सूर्यघड़ी दोपहर को समय नहीं बता पाएंगे। इस समस्या को हल करने के लिए मंदिर में पश्चिम की ओर भी सूर्य घड़ी बनाये गये है। यह घड़ी पूरब दिशा में बनी सूर्य घड़ी से मेल खाती है अर्थात सुबह से दोपहर तक समय जानना हो तो आप पूरब दिशा में दीवारों पर बनी सूर्य घड़ी का प्रयोग और दोपहर से शाम तक पश्चिम दिशा में बनी सूर्य घड़ी का प्रयोग कर समय जान सकते हैं। अब सबाल उठता है कि क्या सिर्फ दिन में ही इसमें समय देखने का काम हो सकता है? इस मंदिर में सूर्य घड़ी की तर्ज पर चंद्र घड़ी भी बनी है। 24 चंद्र घड़ी रात को समय बताने का काम करता है। प्राचीन समय में गणित की इतनी बारीकियों को समेटे यह मंदिर न सिर्फ स्थापत्य कला का उदाहरण है बल्कि उस समय गणित, खगोल और अभियांत्रिकी का अद्भुत नमूना है।

–डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

मार्किट रिसर्च इंटर्नशिप
कंपनी – EnR कंसल्टेंसी सर्विसेज़
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 2,000-7,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– http://bit.ly/AU-0155
आवेदन की अंतिम तिथि–25 जुलाई 2021

कम्युनिटी मैनेजमेंट इंटर्नशिप
कंपनी – टिकीलाइव
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 20,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – http://bit.ly/AU-0156
आवेदन की अंतिम तिथि-25 जुलाई 2021

इवेंट मैनेजमेंट इंटर्नशिप
कंपनी – टिकीलाइव
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 18,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– http://bit.ly/AU-0157
आवेदन की अंतिम तिथि–25 जुलाई 2021

पाइथन डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी – क्राउड विज़डम ट्रेडिंग
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– ttp://bit.ly/AU-0158
आवेदन की अंतिम तिथि–25 जुलाई 2021

वीडियो क्रिएशन एंड एडिटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – सलूशनवैली
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – http://bit.ly/AU-0159
आवेदन की अंतिम तिथि–25 जुलाई 2021

ह्यूमन रिसोर्स (HR) इंटर्नशिप
कंपनी – आंबे इंटरनेशनल
कहां – लखनऊ, भोपाल, कानपुर
वेतन – 10,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – http://bit.ly/AU-0160
आवेदन की अंतिम तिथि–25 जुलाई 2021

एकाउंटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – यूबीक मार्केटिंग
कहां – लखनऊ
वेतन – 3,000-4,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन – http://bit.ly/AU-0161
आवेदन की अंतिम तिथि–25 जुलाई 2021

SCHOLARSHIP ALERT

क्रेडिट सुइस स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2021-22

विवरण :
बडी4स्टडी नामांकित इंस्टीट्यूशन्स (स्कॉलरशिप विवरण पृष्ठ में सूची उपलब्ध है) में इंजीनियरिंग / एमबीए कोर्सेज में एनरोल्ड स्टूडेंट्स से आवेदन आमंत्रित करता है। स्कॉलरशिप का उद्देश्य जरूरी फाइनेंशियल सपोर्ट प्रदान करना है जो क्वालिफाइड केंडिडेट्स को शैक्षिक(अकादमिक) फीस की लागत और पे करने की उनकी क्षमता के बीच की खाई को पाटने में मदद कर सकता है।

मानदंड : आवेदकों को नामांकित इंस्टीट्यूशन्स (स्कॉलरशिप विवरण पृष्ठ में सूची उपलब्ध है) में से एक में इंजीनियरिंग / एमबीए प्रोग्राम में नामांकित होना चाहिए। आवेदकों का 60% या उससे अधिक अंकों के साथ कक्षा 12 या स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। चयनित विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता की आवश्यकता को जरुरी दस्तावेजों से साबित करना होगा, जिनमें फैमिली इनकम प्रति वर्ष रू 5,00,000 से कम या उसके बराबर होनी चाहिए (जिसका वेरिफिकेशन बडी4स्टडी द्वारा भी किया जाएगा)।

इनाम/लाभ : एमबीए के लिए: कुल शैक्षिक(अकादमिक) फीस का 80% तक या अधिकतम रु 200,000 तक।

इंजीनियरिंग के लिए : कुल शैक्षिक(अकादमिक) फीस का 80% तक या अधिकतम रु 100,000 तक।

अंतिम तिथि : 31 जुलाई, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/CSE1

Admission Alert

संस्कृति यूनिवर्सिटी डिप्लोमा, यूजी और पीजी कोर्सेज

कोर्सेज : डिप्लोमा, अंडर ग्रेजुएट और इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर कार्यक्रम, प्रोग्राम इन इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट एंड कॉमर्स, एजुकेशन, स्पेशल एजुकेशन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान फार्मेसी, एग्रीकल्चर, फैशन डिजाइनिंग, लॉ एंड लीगल स्टडीज, योग और नेचुरोपैथी, टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट, चिकित्सा और संबद्ध विज्ञान, बेसिक एंड एप्लाइड साइंस, आयुर्वेद, यूनानी और नर्सिंग कोर्स।

शैक्षणिक योग्यता: बैचलर प्रोग्राम में प्रवेश के लिए 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण एवं डिप्लोमा प्रोग्राम में प्रवेश के लिए दसवीं परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

आवेदन प्रक्रिया: उम्मीदवार वेबसाइट www.sanskriti.edu.in में जाकर अपनी शैक्षणिक और निजी जानकारी भरकर तथा प्रॉस्पेक्टस फीस का भुगतान कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं अथवा संस्था में आवेदन राशि का भुगतान कर प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

आवेदन की आखिरी तिथि : 30 जून 2021

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट:www.sanskriti.edu.in

अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इनोवेशन नेशनल फेलोशिप 2021-22

विवरण : इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (आईएनएई) इंजीनियरिंग, इनोवेशन और तकनीकी विकास में श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए ट्रांसलेशनल रिसर्च को पहचानने, प्रोत्साहित करने और सपोर्ट करने के लिए प्रतिभाशाली इंजीनियरों से अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इनोवेशन नेशनल फेलोशिप 2021-22 के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहा है।

मानदंड : यह फेलोशिप उन उम्मीदवारों को दी जाती है जो भारतीय नागरिक हैं और भारत में सार्वजनिक वित्त पोषित संस्थानों में इंजीनियरिंग प्रोफेशन के विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं। उनके पास पर्याप्त व्यावसायिक योग्यता होनी चाहिए और न्यूनतम स्नातक डिग्री के साथ अवार्ड की तिथि को मूल संस्थान में कम से कम 5 साल का कार्यकाल शेष होना चाहिए। साथ ही उम्मीदवार कोई अन्य फेलोशिप प्राप्त नहीं कर रहे हों।

इनाम/लाभ :25,000 रुपये की मासिक फेलोशिप और अन्य लाभ

अंतिम तिथि : 30 जून, 2021

आवेदन कैसे करें : केवल डाक द्वारा

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/AKT6

कीप इंडिया स्माइलिंग फॉउण्डेशनल स्कॉलरशिप प्रोग्राम

विवरण : कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड युवा छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करके उनके शैक्षणिक / प्रगति की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान कर रहा है। यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम विभिन्न पोस्ट-मैट्रिक और स्नातक स्तर पर अध्ययन करने वाले छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने एवं उनकी पसंद के करियर की ओर आगे बढ़ने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

मानदंड : ऐसे छात्र जिन्होंने 2019 की बोर्ड परीक्षा में कम से कम 75% अंकों के साथ 10 वीं कक्षा या कम से कम 60% अंकों के साथ कक्षा १२ वीं उत्तीर्ण कर लिया है। और उच्चतर माध्यमिक, 3-वर्षीय स्नातक, 4-वर्षीय इंजीनियरिंग, डिप्लोमा प्रोग्राम और क्रमसः एक वर्षीय व्यवसायक कोर्स की पढाई को आगे बढ़ाने के लिए छात्रवृत्ति प्रोग्राम के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। सभी आवेदकों की वार्षिक पारिवारिक आय 5 लाख रुपये प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए।

इनाम/लाभ : चयनित विद्वान अपनी शिक्षा के वर्तमान स्तर के आधार पर 3 साल तक की पढ़ाई के लिए प्रति वर्ष 30,000 रुपये तक के छात्रवृत्ति पुरस्कार का लाभ उठा सकते हैं।

अंतिम तिथि : 30 जून, 2021

आवेदन कैसे करें : ऑनलाइन आवेदन करें।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/AU/KISSP01